पनामा नहर - निर्माण एवं महत्व

प्राचीन काल से ही वस्तुओं का आदान-प्रदान (व्यापार) समुद्री मार्ग द्वारा होता रहा है। आज भी यह मार्ग सबसे सस्ता तथा सुगम है। विश्व का 95% व्यापार आज भी समुद्री मार्ग द्वारा होता है। यही कारण है कि विश्व राष्ट्र की सीमाएँ समुद्र से नहीं लगती हैं उनका विकास रुक जाता है। इसके बावजूद प्रत्येक राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में महासागरीय जलमार्ग का ही सहारा लेता है।

विश्व में अनेक समुद्री जल मार्ग हैं, उनमें 30 अक्षांश जलमार्ग, स्वेज नहर मार्ग, पनामा नहर मार्ग, केप ऑफ गुड होप मार्ग, 40 अक्षांश मार्ग प्रमुख हैं। इनमें सबसे व्यस्तम जल मार्ग 30° अक्षांश जल मार्ग है। इसके बाद स्थान आता है स्वेज जल मार्ग का। विश्व का तीसरा जलमार्ग पनामा जलमार्ग है। जैसा कि नीचे मानचित्र में विश्व के प्रमुख महासागरीय जलमार्ग को दिखलाया गया है —

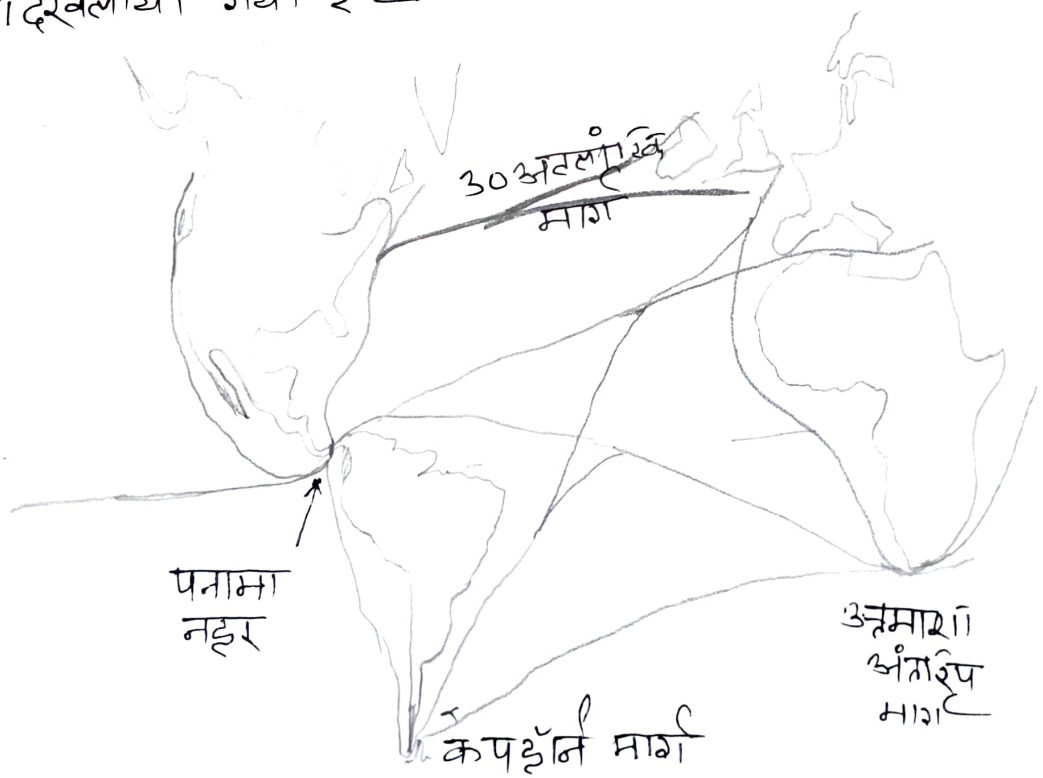

पनामा नहर जलमार्ग – मध्य अमेरिकी देश पनामा में अवस्थित होने के कारण इसको पनामा जलमार्ग कहा जाता है। इसका निर्माण कार्य 4 मई 1904 को आरम्भ हुआ और 15 अगस्त 1914 को बनकर तैयार हुआ। इसके निर्माण में हजारों अमेरिकी मजदूरों की मौतें हुई। यह लगभग 82 कि०मी० लम्बी, औसत चौड़ाई 90 मीटर तथा न्यूनतम गहराई 12 मीटर है।

यह जलमार्ग अटलांटिक महासागर तथा प्रशांत महासागर को जोड़ता है जो जल लोकस पद्धति पर आधारित है। गातुन झील, इस जलमार्ग के मध्य अवस्थित है।

पनामा नहर का महत्व - पनामा नहर के निर्माण के पूर्व अमेरिका सहित विश्व के देशों के जलयान सम्पूर्ण द० अमेरिका का चक्कर लगाकर प्रशांत महासागर से अटलांटिक महासागर में हॉर्न अंतरीप के द्वारा प्रवेश करते थे। इसके निर्माण अब जलयानों का 12875 कि०मी० की दूरी घट गयी है। साथ ही जलयानों का समय तथा ईंधन की बचत होने लगी। साथ ही जलयानों को अंतरीप से गुजरने के दौरान ईंधन की समस्या सामना करना पड़ता था।

पनामा नहर की समस्याएँ – पनामा नहर वर्तमान समय कई समस्याओं से जूझ रहा है जो निम्न लिखित है –

1) पनामा नहर मार्ग से गुजरने वाले जलपोतों तथा लॉक्स में पानी भरे जाने एवं छोड़ने से गाटन झील का पर्यावरणीय गुणवत्ता प्रभावित हो रहा है। धीरे-धीरे अब इस झील का जल खारा होता जा रहा है।

2) पनामा सरकार पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि नहर से होने वाली आय से यहाँ के निवासियों को कोई लाभ नहीं मिलता है बल्कि बड़ी कम्पनियों के हितों के लिये किया जा रहा है।

3) पनामा नहर के प्रतिद्वंदिता में निकारागुआ की सरकार चीन के सहयोग से अपने देश में निकारागुआ नहर का निर्माण कर रही है। आने वाले समय में इससे पनामा नहर को बड़ी टक्कर मिल सकती है।

4) पनामा नहर की चौड़ाई कम होने के कारण बड़े-बड़े जलयान पार नहीं कर पाते हैं।